Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 7.384
Volume - 7, Issue - 9, September - 2024

DOIs:10.2018/SS/202409001 --:-- Research Paper / Article / Review

उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क : एक अध्ययन

डॉ. देवेन्द्र कुमार
सह-आचार्य, पुस्तकालय विभाग
राजकीय महिला महाविद्यालय, खरखौदा, मेरठ (उ0प्र0)
ई-मेल आई.डी. : dkdeobhu@gmail.com

सारांश: *ई-लर्निंग गतिविधियाँ हर देश या क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार ने ई-लर्निंग पार्क विकसित करके 120 सरकारी कॉलेजों में 5-5 कंप्यूटर, प्रिंटर और इंटरनेट की सुविधा का प्रावधान किया है। जिसके माध्यम से ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा जारी रखने में काफी मदद मिलेगी। यदि प्रत्येक महाविद्यालय इसकी योजना सही ढंग से बनाए तो इसके बहुत ही लाभकारी एवं सकारात्मक परिणाम होंगे। पारंपरिक शिक्षण एवं आधुनिक शिक्षण तकनीक के बीच ई-लर्निंग पार्क भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए उपयोगी शिक्षण एवं सीखने की एक द्रुतगामी एवं आधुनिक पद्धति है। प्रस्तुत शोध पत्र में उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित ई-लर्निंग पार्क की वर्तमान स्थिति एवं प्रभावशाली रूप में सेवाएं प्रदान करने हेतु समीक्षात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।*

की-वर्ड: *ई-शिक्षा, ई-लर्निंग, ऑनलाइन लर्निंग, सूचना संचार प्रौद्योगिकी, राजकीय महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश।*

1. ई-लर्निंग एक परिचय:

सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति के कारण, वर्तमान में दुनिया की आधी से अधिक आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है। सूचना प्रौद्योगिकी की उन्नति ने छात्रों की समझ को परिवर्तित कर दिया है और उनके सीखने के तरीकों को भी संशोधित किया है । ई-लर्निंग व्यवसायों, सरकारों और समाज के लिए रोमांचक परिणाम हैं। डिजिटल संयोजकता (Connectivity) वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, यह विस्तारित कक्षा शिक्षा का एक रूप है जो प्रौद्योगिकी या शिक्षण विधियों द्वारा समर्थित है ।

ई-लर्निंग एक सुसंगत प्रणाली है जो सूचना संचार प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करती है। पर्याप्त मात्रा में कंप्यूटर और इंटरनेट उपकरणों के साथ सीखने के माहौल को सुविधाजनक बनाने से शिक्षार्थियों को कहीं से भी, कभी भी शैक्षिक संसाधनों तक आसानी से पहुंचने की सुविधा मिलती है, जिससे सिस्टम के भीतर इंटरैक्टिव संचार को बढ़ावा मिलता है। ई-लर्निंग सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करती है। ई-लर्निंग का उपयोग करके, शिक्षार्थी अपने द्वारा चुने गए कार्यों को करने में सक्षम होता है, किसी भी समय शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सकता है, आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकता है और कई अन्य लाभ प्राप्त कर सकता है जो स्व-शिक्षण को प्रोत्साहित करते हैं (Alhosban & Ismaile, 2018)। ई-लर्निंग के साथ, शिक्षार्थियों के बीच संचार आसानी से और लचीले ढंग से किया जा सकता है। यह शिक्षण सामग्री पर विचारों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है (Ajegbomogun, et al., 2017) । ई-लर्निंग प्रबंध प्रणाली आधुनिक तरीकों में से एक है जिसका उपयोग दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने इंटरनेट का उपयोग करके एक समृद्ध शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए करना शुरू कर दिया है, साथ ही इस प्रणाली द्वारा प्रदान किए गए साधनों और सेवाओं का उपयोग शिक्षण विधियों को बेहतर बनाने और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए किया है (Al-Sharhan, et al., 2020)। सूचना संचार प्रौद्योगिकी ने सुचारू सूचना हस्तांतरण के लिए साधन के रूप में कार्य करके इस परिवर्तन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है (Rai, 2014; Panda and Garg, 2019; Nain, et al., 2019; Shukla, G., et al., 2022; Sondarva, et al., 2023; Dhaka & Chayal, 2010)। सूचना संचार प्रौद्योगिकी शब्द में सेवाओं, अनुप्रयोगों और प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो विभिन्न उपकरणों और सॉफ़्टवेयर का उपयोग करती है, जो अक्सर दूरसंचार नेटवर्क पर काम करती है (De, & Jirli, 2010; Shanmuka, et al., 2022; Mukherjee, S., et al., 2023)। भारत में मोबाइल फोन के उपयोग और इंटरनेट उपलब्धता में तेजी से वृद्धि ने जीवन के विभिन्न पहलुओं में आईसीटी के प्रभाव को बहुत बढ़ा दिया है। शिक्षा में सूचना संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करने से सूचना और शिक्षण तकनीकों के आदान-प्रदान में सुधार होता है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों के सीखने के परिणाम बेहतर होते हैं।

2. ई-लर्निंग का क्षेत्र:

ई-लर्निंग, शैक्षिक प्रौद्योगिकी का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ऑनलाइन सीखने के लिए एक मंच प्रदान करता है। शैक्षिक मंच वैश्विक स्तर पर ज्ञान वितरित करने के लिए इंटरनेट प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। ऑनलाइन सीखने की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह कक्षाओं के भीतर और बाहर दोनों जगह की जा सकती है। ई-लर्निंग की दुनिया भर में व्यापक संभावनाएँ हैं, खासकर युवा लोगों के लिए जिनको भारत में ई-लर्निंग ने शिक्षा के लिए नए अवसर पैदा किए हैं और इसके काम करने के तरीके को बदल दिया है। ई-लर्निंग के माध्यम से सभी विषय क्षेत्रों में, उपयोगकर्ता के विवेक पर शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। ई-लर्निंग हमें काम पर पेशेवरों की विशेषज्ञता और क्षमताओं का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाता है। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों जैसे शैक्षणिक संस्थानों में यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सही जानकारी शिक्षार्थियों तक तत्काल पहुँचे। जब भी किसी व्यक्ति को सहायता की आवश्यकता हो, तो वह सहायता प्राप्त कर सकता है। ई-लर्निंग संसाधनों तक सुविधाजनक पहुँच प्रदान करता है, जिसमें स्थान, समय और सीखने की गति में लचीलापन होता है। तत्काल प्रतिक्रिया उन लाभों में से एक है जो किसी भाषा को सीखने की प्रक्रिया को सुखद बनाते हैं।

ई-लर्निंग ने बड़े दर्शकों तक पहुँचने, ग्रामीण क्षेत्रों में योग्य शिक्षकों तक पहुँच की कमी और पहले से उपलब्ध शिक्षार्थियों के लिए सामग्री को प्रासंगिक बनाने की चुनौतियों को दूर कर दिया है। आजकल समय के बदलाव के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाता है, तथा बहुत से बच्चों को शिक्षा के स्तर को समझने में मदद मिली है।

3. ई-लर्निंग के आयाम:

ई-लर्निंग डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर निर्भर है, जिससे छात्र मुख्य विषय के बारे में अवधारणाओं को अधिक तेज़ी से और पूरी तरह से समझ सकते हैं। साथ ही, अधिक छात्र देश के किसी भी क्षेत्र से एक ही सामान्य कक्षा में शामिल हो सकते हैं और वे किसी भी भ्रम को स्पष्ट कर सकते हैं, साथ ही शिक्षण तकनीकों में सुधार कर सकते हैं, प्रशिक्षक के समय का लाभ उठा सकते हैं, तथा ज्ञान के व्यापक आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकियां छात्रों की उपलब्धियों को नए और बेहतर तरीकों से दर्शाती हैं, जिससे हमारी वर्तमान सोच की सीमाओं से इतर अवसर पैदा होते हैं।

4. शिक्षार्थियों के लिए ई-लर्निंग का लाभ:

ई-लर्निंग बिना किसी प्रतिबंध के हर समय और हर जगह सीखने की अनुमति देता है। इसे आर्थिक रूप से लाभकारी तरीका भी माना जाता है। यह प्रत्येक के लिए जीवन के सभी वर्षों में सीखने का रास्ता खोलता है। शिक्षार्थी आसानी से ज्ञान तक तक पहुँच सकता है, और सभी पक्षों (शिक्षकों और शिक्षार्थियों) के बीच बातचीत उपलब्ध है। दूर-दूर से व्याख्यान आयोजित करने की संभावना के अलावा, जो शिक्षा को व्यापक भौगोलिक क्षेत्रों तक पहुँचने की अनुमति देता है। ई-लर्निंग शैली में विविधता प्रदान करता है जहाँ समकालिक *(Synchronous)* और अतुल्यकालिक *(Asynchronous)* लर्निंग होती है और छात्र स्वयं पर भरोसा कर सकता है और अपनी सुविधानुसार सीख सकता है।

ई-लर्निंग व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण और शिक्षा के अवसरों को भी बढ़ाता है और सीखने की लागत को कम करता है। जहाँ तक छात्रों के प्रदर्शन और प्रगति को नियंत्रित / पर्यवेक्षण करने का प्रश्न है ई-लर्निंग शैक्षणिक संस्थान के लिए इसे आसान बनाता है।

5. शैक्षिक संस्थानों में ई-लर्निंग का उपयोग एवं प्रोत्साहन:

ई-लर्निंग वर्तमान युग कीआवश्यकता है हमें अपने छात्रों को तैयार करने और इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संस्थान की वर्तमान शैक्षिक प्रणाली में आवश्यक परिवर्तन करने की आवश्यकता है। निम्नलिखित बिंदुओं का उद्देश्य शैक्षिक व्यवस्था में ई-लर्निंग के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

- सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरणों में ई-लर्निंग प्रक्रियाओं और संसाधनों के प्रति अनुकूल मानसिकता विकसित करना शामिल है। शिक्षार्थियों को ई-लर्निंग के लाभों को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- संचालन सम्बन्धित आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल के साथ छात्रों और शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करना।
- सुनिश्चित करें कि ई-लर्निंग में भाग लेने और इस तरह के प्रयासों के संभावित लाभों और लाभों को पूरी तरह से समझने के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों, और शिक्षार्थियों तीनों को अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए पर्याप्त मार्गदर्शन मिले।
- बढ़ती संख्या में कंप्यूटर सिस्टम को पूर्ण इंटरनेट क्षमताओं और कक्षा वेबसाइटों से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे शिक्षकों और शिक्षार्थियों को ई-लर्निंग विधियों के माध्यम से शिक्षण और सीखने के कार्यों में संलग्न होने का अवसर मिल रहा है।
- ई-लर्निंग यह सुनिश्चित करता है कि ई-लर्निंग कार्यक्रम के लाभों को अधिकतम करने के लिए शिक्षकों और छात्रों दोनों को प्रशिक्षित करने और ऑनलाइन सहायता प्रदान करने हेतु तकनीकी सहायता सेवाएँ आसानी से उपलब्ध हों।

6. उच्च शिक्षा में ई-लर्निंग का उपयोग और समस्याएं:

- ई-लर्निंग उच्च शिक्षा को शिक्षार्थी-निर्भर बनाने में योगदान देता है और छात्र-छात्राओं को किसी भी समय और कहीं भी अपनी शैक्षिक सामग्री तक पहुँचने और अपनी आवश्यकताओं के लिए सही सामग्री चुनने में सक्षम बनाता है।
- ई-लर्निंग अनुकूलित मार्गदर्शन प्रदान करता है जो शिक्षार्थियों की ज़रूरतों, कौशल, पसंदीदा शिक्षण विधियों और रुचियों को पूरा करता है। ई-लर्निंग छात्र-छात्राओं तक 24x7x365 शैक्षिक सामग्री को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। ई-शिक्षा उन क्षेत्रों में भी प्राप्त की जा सकती है जहाँ शैक्षणिक संस्थान नहीं हैं। ई-लर्निंग असीमित संख्या में छात्रों तक शैक्षिक सामग्री को उपलब्ध कर विशिष्ट लाभ प्रदान करता है।
- ई-लर्निंग दिव्यांग व्यक्तियों जैसे सुनने और बोलने की अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना सुलभ बनाता है।
- ई-लर्निंग पारंपरिक कक्षा शिक्षा के विपरीत विभिन्न शिक्षण शैलियों को समायोजित कर सकता है। सीखने के विभिन्न तरीके और विविध क्षेत्रों, पृष्ठभूमि, क्षेत्रों, प्रदेशों और राष्ट्रों के छात्रों के बीच टीम वर्क को प्रोत्साहित करते हैं।
- सीडी, डीवीडी, लैपटॉप और मोबाइल डिवाइस फोन जैसी डिलीवरी विधियों के मामले में ऑनलाइन सीखने की बहुमुखी प्रतिभा, इस तरह की कक्षाएं और अवसर छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं।
- ई-लर्निंग के परिणामस्वरूप व्यक्ति स्वतंत्र रूप से सीखता है। इसका उपयोग तकनीकी और व्यावसायिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।
- ई-लर्निंग शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों का आकलन और मूल्यांकन करने की अनुमति देता है। जिसे ऑनलाइन या इंटरनेट और मोबाइल फोन सेवाओं के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

उच्च शिक्षण संस्थानों को अभी भी विभिन्न बाधाओं (आर्थिक, राजनीतिक, तकनीकी और शैक्षणिक) का सामना करना पड़ रहा है जो ई-लर्निंग के प्रभावी उपयोग में बाधा डालती हैं। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच रणनीतिक योजना और साँझेदारी (Consortia) की कमी भी ई-लर्निंग के सफल कार्यान्वयन में बाधा डालती है।

7. ई-शिक्षा और उच्च शिक्षा के डिजिटलाइजेशन सम्बन्धित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का विजन:

वर्तमान समय में सूचना संचार तकनीकी के क्षेत्र में अतितीव्र गति से प्रगति हो रही है, तकनीकी के व्यापक प्रसार के साथ ही ज्ञान आसानी से उपलब्ध हो रहा है और दूरस्थ शिक्षा एक आम प्रचलन बन गई है। इससे व्यक्ति की सीखने की क्षमता बढ़ती है और नए विषयों में विभिन्न आयामों के कौशल में भी सुधार होता है। सबसे अच्छी बात यह है कि व्यक्ति शिक्षक से शारीरिक रूप से मिले बिना ही इसके माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर लेता है। दूरस्थ शिक्षा के मुख्य तरीकों में से एक ई-लर्निंग है। ई-शिक्षा तेजी से हो रही तकनीकी उन्नति से बहुत दूर है। भारत भी उन देशों में से एक है जो कई अन्य देशों की तरह उन्नत तकनीक के इर्द-गिर्द विकसित होता है।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है जिसे अध्याय 23 एवं 24 में सम्मिलित किया गया है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी भी शैक्षिक प्रक्रिया एवं परिणाम के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष जैसे अन्य अत्याधुनिक क्षेत्र में वैशिक स्तर पर नेतृत्व कर रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान पूरे देश को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज एवं ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में करने में मदद कर रहा है। इस रूपांतरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी भी शैक्षिक प्रक्रिया एवं परिणामों के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निम्न पर विशेष ध्यान दिया गया है:

- प्रौद्योगिकी का शिक्षा एवं शोध में न्यायसंगत उपयोग सुनिश्चित करना।
- प्रौद्योगिकी विकास की तीव्र दर को देखते हुए यह निश्चित है कि प्रौद्योगिकी, शिक्षा को कई मायने में प्रभावित करेगी, जिनमें से वर्तमान में सिर्फ कुछ के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है।
- नए प्रौद्योगिकी क्षेत्र जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), मशीन लर्निंग (Machin Laerning), ब्लॉकचेन (blockchain), स्मार्ट बोर्ड, हस्त संचालित कंप्यूटिंग उपकरण और अन्य प्रकार के सॉफ्टवेयर द्वारा न केवल यह परिवर्तन होगा कि छात्र क्या सीखता है वरन् यह भी परिवर्तन होगा कि वह कैसे सीखता है।
- राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (NETF) की स्थापना भारतीय भाषा में ऐसे सॉफ्टवेयर का निर्माण जो सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों तथा दिव्यांग विद्यार्थियों सहित सभी के लिए सुलभ हो।
- वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में आने वाली तकनीकों का उच्च शिक्षा एवं शोध में प्रयोग सुनिश्चित करना।
- भविष्य में तकनीक आधारित उत्पन्न होने वाले रोजगार के लिए छात्रों को तैयार करना।
- शीघ्रता से शिक्षा में तकनीकी का प्रयोग सुनिश्चित करना।
- तकनीक आधारित शिक्षा से उत्पन्न होने वाली समस्या पर विचार करना तथा उनके समाधानका खोज करना।
- डिजिटल डिवाइड को समाप्त करना।

8. उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का लक्ष्य:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनश्चित कराना।
- वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में आने वाली तकनीकों का उच्च शिक्षा एवं शोध में प्रयोग सुनिश्चित करना।
- उच्च शिक्षा की पहुंच को बढ़ाना।
- शिक्षण अधिगम और आंकलन प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना।
- डिजिटल डिवाइड को समाप्त करना।
- गुणवत्तापूर्ण अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा व्यवस्था का विकास।

9. उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा में तकनीकी के प्रयोग पर विशेष बल दिया है। आज के समय में शिक्षा में तकनीकी का प्रयोग आवश्यक है इसके प्रयोग के बिना हम अपने छात्रों को भविष्य के नागरिक के रूप में विकसित करने में सफल नहीं होंगे। उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी चुनौती क्षमता समानता एवं समावेशन की है। नीति आयोग ने नवभारत / 75 की रिपोर्ट में इंटरनेट की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को एक बड़ी बाधा के रूप में सामने रखा है। केवल 25 प्रतिशत छात्रों के पास ही स्मार्टफोन लैपटॉप सुविधा उपलब्ध है। शिक्षण संस्थानों को इन कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी प्रणाली विकसित करनी होगी, जिससे डिजिटल गैप को न्यूनतम किया जा सके। उत्तर प्रदेश के अनेक राजकीय महाविद्यालय पिछले क्षेत्र में है जहां पर इन आधुनिक तकनीक संसाधनों की अत्यंत कमी का अनुभव किया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार विशेषकर पिछले क्षेत्र के निर्धन वंचित छात्र/छात्राओं को शिक्षण कार्य से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है।

उत्तर प्रदेश में 171 राजकीय महाविद्यालय संचालित हैं, जिनमें से 120 राज्य की महाविद्यालय तहसील ब्लाक स्तर पर संचालित है। ग्रामीण अंचल के छात्रों को सुविधा प्रदान किए जाने हेतु राज्य की महाविद्यालय में लर्निंग पार्क, वाईफाई, इंटरनेट कनेक्शन एक्सेस विकसित किए जाने हेतु प्रत्येक राजकीय महाविद्यालय में पांच कंप्यूटर्स, 5 प्रिंटर 3 टेबल कुर्सी एवं वाईफाई तथा इंटरनेट की सुविधा अनुमन्य की गई है जो वर्तमान में क्रियाशील है। उत्तर प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में तकनीक-पारिस्थितिकी तंत्र की पहुंच को दिशा देने हेतु राज्य भर में बेहतर डिजिटल लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में 120 ई-लर्निंग पार्कों को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है। राज्य के युवाओं के बीच तकनीक-संचालित शिक्षा को बढ़ावा देने के इस कदम को राज्य में शिक्षा में डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, नए ई-लर्निंग पार्क डिजिटल लाइब्रेरी के साथ-साथ कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्शन और वाई-फाई सुविधाओं से लैस हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार, अधिकांश ई-पार्क पहले से ही कार्यात्मक हैं और उनमें से कुछ महाविद्यालयों के समय के उपरान्त भी भी चालू हैं। इन ई-लर्निंग पार्कों से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लाभ होगा जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी धीमी है और छात्रों को ऑनलाइन सीखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ई-लर्निंग पार्क की सुविधा से शैक्षणिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा, साथ ही गांव के दूरदराज और पिछड़े इलाकों में सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना आसान होगा। मार्च 2020 में लॉकडाउन के दौरान, विभाग ने डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। डिजिटल लाइब्रेरी में शिक्षकों के मूल नोट्स और व्याख्यान हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम के अनुसार दृष्य-श्रव्य (Audio-Visual) के रूप में भी उपलब्ध हैं। इन ई-लर्निंग पार्कों में निर्बाध वाई-फाई या इंटरनेट कनेक्शन की सुविधा प्रदान किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में ई-लर्निंग पार्क के अतिरिक्त राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में मुख्य रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में तहसील मुख्यालयों और ब्लॉक मुख्यालय स्तर पर डिजिटल सामग्री से पहले से लोड किए गए टैब (Pre-Loaded Tablets) भी उपलब्ध कराए हैं जिसमे प्रत्येक विषय के विषय विशेषज्ञ, शिक्षकों, एवं अन्य द्वारा ई-कंटेंट अपलोड / डाउनलोड कर अध्ययनरत छात्र / छात्राओं को सुविधाजन्य व प्रभावशाली शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश शासन के इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में अध्ययनरत छात्र / छात्राएं अपना संवाएंगीं विकास करते हुए राष्ट के प्रति अपना सम्पूर्ण योगदान दे सकेंगे।

10. उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क को संचालित करने में समस्याएं:

वर्तमान में ई-लर्निंग पार्क को संचालित करने हेतु राजकीय महाविद्यालयों में कोई भी प्रशिक्षित व्यवसायी / कार्मिक नियुक्त नहीं किया गया है जिससे अनेक समस्यायों का सामना करना पड़ता हैं। समस्त राजकीय महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों के माध्यम से ई-लर्निंग पार्क संचालित किये जा रहे हैं, जिस कारण अन्य शिक्षण गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

11. उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क को प्रभावशाली रूप से संचालित करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव:

- ई-लर्निंग वर्तमान की अति आवश्यक माध्यम बन गया है जिस हेतु सरकार एवं संस्थानों को प्रशिक्षित स्टाफ के साथ ही मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने पर विशेष ध्यान देने के आवश्यकता है जिससे कि शिक्षार्थी अबाध्य एवं चौबीस घंटे ई-लर्निंग का उपभोग कर सके। राजकीय महाविद्यालयों में समस्य समय पर नवीन स्रोतों एवं उपकरणों इत्यादि से शिक्षकों, कार्मिको, एवं शिक्षार्थियों को लाभान्वित करना होगा। वर्तमान में प्रशिक्षित व्यवसायी व्यक्तियों की अति आवश्यकता हैं जिससे कि वे ई-लर्निंग पार्क एवं ई-कंटेंट सम्बंधित कार्य को निरन्तर प्रभावशाली रूप में संचालित कर सकें एवं छात्र/छात्राओं को ई-शिक्षा प्रदान करने में सहायक हो सकें।
- ई-लर्निंग पार्क को निरंतर क्रियाशील करने हेतु प्रतिवर्ष इंटरनेट कनेक्शन ई-संसाधन, ई-टूल्स इत्यादि की आवश्यकता रहती हैं जिस हेतु पर्याप्त मात्रा में धनराशि सामान्यतया अनुपलब्ध रहती हैं इस सम्बन्ध में उच्च शिक्षा विभाग को विशेष ध्यान देते हुए प्रतिवर्ष इस मद में एक निर्धारित धनराशि प्रत्येक महाविद्यालय को सतत रूप में प्रदान करना चाहिए। ग्रामीण अंचलों में विद्युत् एवं इंटरनेट की सुविधा को 24x7x365 अविरल रूप में प्रदान करना भी आवश्यक है जिसपर महाविद्यालयों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षा की उच्चतम गुणवत्ता को प्राप्त करने के लिए व्यवसायिक विकास को तत्काल शुरू किया जाना चाहिए इससे पहले कि बहुत देर हो जाए यह निरतर चलते रहना चाहिए। व्यवसायिक विकास उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संस्थागत समर्थन भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रशिक्षकों और सेवारत शिक्षकों को सक्रिय शिक्षण प्रक्रिया में व्यवधान न उत्पन्न हो इसके लिए सदैव त्वरित प्रबंधकीय / तकनीकी सहायता की आवश्यकता होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उपकरणों और उपकरणों को उपयोग के लिए तैयार स्थिति में रखने के लिए समय-समय पर रखरखाव की आवश्यकता होती है।
- राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग के प्रचार-प्रसार एवं शिक्षार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप पुस्तकालयों में ई-संसाधनों एवं सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। इसके लिए पुस्तकालयों में ई-लाइब्रेरी को प्रभावशाली रूप से क्रियाशील करते हुए प्रतिवर्ष इंटरनेट, विभिन्न संस्थानों से ई-संसाधनों, ई-सेवाओं की सदस्ता लेने हेतु पर्याप्त मात्रा में बजट उपलब्ध कराना आवश्य है जिससे कि महाविद्यालय पुस्तकालय ई-लर्निंग के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सहायक हो सके। महाविद्यालयों में डेलनेट (DELNET), एन-लिस्ट (N-LIST), ऑनलाइन पाठ्य संशाधनों इत्यादि की सदस्यता लेना अनिवार्य करना चाहिए जिससे कि काम लागत में अधिकतम पाठ्य सामग्री छात्र-छात्राओं, शिक्षकों इत्यादि को उपलब्ध कराई जा सके।
- ई-लर्निंग पार्क को लागू करने के लिए, शिक्षक विकास पर मुख्य रूप से विचार किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा महसूस किया जाता है कि प्रशिक्षकों / शिक्षकों और प्रशिक्षकों को ई-लर्निंग पार्क के अपेक्षित मॉडल के उपयोग में पर्याप्त रूप से कुशल होना चाहिए। साथ-साथ महाविद्यालयों में समय-समय पर छात्र / छात्राओं को नवीन पाठ्य सामग्री से अवगत कराने हेतु महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु समय-समय पर नवीन सामग्रियों एवं सेवाओं से अवगत कराने हेतु दिशानिर्देश, प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमीनार, जागरूकता कार्यक्रम इत्यादि चलाये जाने की अतिआवश्यक है।

12. निष्कर्ष:

उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क अभी भी अपने प्रारम्भिक चरण में है, किन्तु इसमें महाविद्यालयी शिक्षा के सभी पहलुओं को पूरी तरह से बदलने और बेहतर बनाने की बहुत संभावना है। भविष्य में तकनीकी विकास के साथ साथ हमारी शिक्षा भी प्रभावित होगी एवं सभी उम्र के छात्रों के लिए कुशल और सुलभ होती जाएगी। जैसे-जैसे ई-लर्निंग अधिक विश्वसनीय, सस्ती और अन्य प्रणालियों के साथ एकीकृत करने में आसान होती जाएगी, यह हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में तेजी से स्थापित होती जाएगी। कई विश्वविद्यालय, स्कूल और कॉलेज ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से अपने पाठ्यक्रम पेश कर रहे हैं। वर्तमान और भविष्य की ई-लर्निंग ने बाधाओं को पार कर लिया है। ई-लर्निंग का मुख्य उद्देश्य विविध दर्शकों तक पहुँचना, ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च योग्य शिक्षकों की कमी को दूर करना, आवृत्त क्षेत्र का विस्तार करके पहले से दुर्गम दर्शकों को समृद्ध सामग्री प्रदान करना है।

विभिन्न छात्रों को आधुनिक शिक्षण तकनीकी से शिक्षक सुविधा प्रदान करने एवं डिजिटल शिक्षा की ओर उंन्मुख करने हेतु राजकीय महाविद्यालय में ई-लर्निंग पर वाईफाई, एवं इंटरनेट एक्सेस की सुविधा प्रदान करके इन ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र / छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षण सामग्री ई-कंटेंट, डिजिटल लाइब्रेरी के उपयोग हेतु विभिन्न जागरूकता, कार्यक्रमों, वेबीनार आदि अनेक उपयोगी एवं आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर उनका बहुमुखी विकास किया जा सकता हैं जो प्रदेश में उच्च शिक्षा के विकास में मील का पत्थर साबित होगी जिससे न केवल ग्रामीण शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी होगा, जिससे जन जागरूकता के साथ-साथ अनेक उनके पर्यावरण में आसानी होगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को सुचारू रूप से संपन्न किया जा सकेगा। आज परिवर्तन के बीच ग्रामों में बुनियादी शिक्षा अक्सर सिर्फ़ एक कंप्यूटर का उपयोग करके पढ़ाई जाती है, जिससे कई बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने में लाभ होता है। इन ई-

लर्निंग पार्कों में कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्शन और वाई-फाई की सुविधा के साथ-साथ डिजिटल लाइब्रेरी भी होगी। ई-लर्निंग पार्क की सुविधा से शैक्षणिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा, साथ ही गांव के दूरदराज और पिछड़े इलाकों में सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना भी आसान होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची (REFERENCES):

1. उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग (2020). शासनादेश संख्या-1890-सत्तर-5-2020-44/2020, उच्च शिक्षा अनुभाग-5, लखनऊ, दिनांकः 14 दिसम्बर 2020.
2. Ajegbomogun, F.O., et al. (2017). Analytical study of e-learning resources in National Open University of Nigeria. Education and Information Technologies, 22(5), 2403 2415.
3. Alhosban, F., & Ismaile, S. (2018). Perceived Promoters of and Barriers to Use of a Learning Management System in an Undergraduate Nursing Program. *International Journal of Emerging Technologies in Learning (iJET)*, 13(02), 226-233.
4. Al-Sharhan, S., et al. (2020). Utilization of Learning Management System (LMS) Among Instructors and Students. In Advances in Electronics Engineering (pp. 15 23). Singapore: Springer.
5. De, D., & Jirli B. (2010). ICTs in agricultural extension. A Handbook of Extension Education, AGROBIOS (INDIA), pp 265–284.
6. Dhaka, B.L., & Chayal, K. (2010). Farmers' experience with ICTs on transfer of technology in changing agri-rural environment. *Indian Research Journal of Extension Education*, 10(3), 114 118.
7. Mukherjee, S., et al. (2023). Analysis of Perceived Constraints of Farmers in Utilizing Information and Communication Technology (ICT) Tools. *Indian Research Journal of Extension Education*, 23(3), 110-115.
8. Nain, M.S., et al. (2019). Filling the information gap through developing and validating Entrepreneurial Technical Information Packages (ETIPs) for potential agricultural entrepreneurs. *Journal of Community Mobilization and Sustainable Development*, 14(1), 44-48.
9. Panda, S. and Garg, S. (2019). Open and Distance Education in Asia, Africa and the Middle East, SpringerBriefs in Open and Distance Education. In: Zawacki-Richter, O. and Qayyum, A. (eds.), Open and Distance Education in Asia, Africa and the Middle East, Springer Briefs in Open and Distance Education, https://doi.org/10.1007/978-981-13-5787-94
10. Rai, A., Jirli, B., Singh, A., & Kumar, A. (2014). E-Readiness for Agricultural Development. *Journal of Global Communication,* 7(1), 74-83.
11. Shanmuka, A., et al. (2022). Effectiveness of social media based agro advisory services in Andhra Pradesh–An analysis. *Indian Research Journal of Extension Education*, 22(4), 77-81.
12. Shukla, G., et al. (2022). Information seeking behaviour of farmers through mobile: An innovative ICT tool. *Biological Forum–An International Journal*, 14(1), 586-590.
13. Sondarva, et al. (2023). E-readiness assessment of national agricultural research system. *Indian Journal of Extension Education*, 59(4), 82-85.

उत्तर प्रदेश में ई-लर्निंग से आच्छादित राजकीय महाविद्यालयों की सूची

क्र.सं.	राजकीय महाविद्यालय का नाम	जनपद
1.	पं0 राम लखन शुक्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय	अंबेडकर नगर
2.	रमाबाई अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय	अमरोहा
3.	वीरांगना अवंतीबाई राजकीय महाविद्यालय अतरौली	अलीगढ
4.	मा0का0 राजकीय महाविद्यालय गभाना	अलीगढ़
5.	राजकीय महाविद्यालय गोंडा अलीगढ़	अलीगढ़
6.	राजकीय महाविद्यालय टप्पल	अलीगढ़
7.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छर्रा	अलीगढ़
8.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खैर	अलीगढ़
9.	माता भगवती देवी राजकीय महिला डिग्री महाविद्यालय आंवलखेड़ा	आगरा
10.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय फतेहाबाद	आगरा
11.	राजकीय महिला महाविद्यालय अहिरौला	आज़मगढ़
12.	गया प्रसाद स्मारक राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय	आज़मगढ़
13.	इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय	उन्नाव
14.	राजकीय महाविद्यालय गोसाईंखेड़ा	उन्नाव
15.	राजकीय महाविद्यालय जैथरा तरगवां	एटा
16.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जलेसर	एटा

17.	अहिल्याबाई होल्कर राजकीय महाविद्यालय बिधूना	औरैया
18.	राजकीय महिला महाविद्यालय बांगर	कन्नौज
19.	राजकीय महिला महाविद्यालय छिबरामऊ	कन्नौज
20.	डॉ0 बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय	कन्नौज
21.	सरकारी महाविद्यालय अकबरपुर	कानपुर देहात
22.	रामसहाय राजकीय महाविद्यालय	कानपुर नगर
23.	राजकीय महाविद्यालय हाटा	कुशीनगर
24.	पं0 दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सैदपुर	ग़ाज़ीपुर
25.	शहीद स्मारक राजकीय महाविद्यालय	ग़ाज़ीपुर
26.	वीर बहादुर सिंह राजकीय महाविद्यालय कैम्पियरगंज	गोरखपुर
27.	दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा	गोरखपुर
28.	राजकीय महाविद्यालय नौगढ़	चंदौली
29.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चकिया	चंदौली
30.	शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धानापुर	चंदौली
31.	राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर	चित्रकूट
32.	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय महाविद्यालय	चित्रकूट
33.	राजकीय महिला महाविद्यालय मुफ़्तीगंज	जौनपुर
34.	राजकीय महिला महाविद्यालय शाहगंज	जौनपुर
35.	राजकीय महाविद्यालय समथर	झाँसी
36.	राजकीय महिला महाविद्यालय सलेमपुर	देवरिया
37.	राजकीय महाविद्यालय इंदुपुर गौरीबाजार	देवरिया
38.	आर0के0 शाही राजकीय महाविद्यालय पथरदेवा	देवरिया
39.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीसलपुर	पीलीभीत
40.	राजकीय महाविद्यालय हेमपुर	पीलीभीत
41.	एस0के0जे0एम0 राजकीय स्नातकोत्तर रानीगंज	प्रतापगढ़
42.	कौशल्या भरत सिंह गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय ढिंढुईपट्टी	प्रतापगढ़
43.	राजकीय महाविद्यालय सांगीपुर	प्रतापगढ़
44.	राजकीय महाविद्यालय मंगरौरा	प्रतापगढ़
45.	महामाया राजकीय महाविद्यालय धनुपुर	प्रयागराज
46.	दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सैदाबाद	प्रयागराज
47.	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिंदकी	फ़तेहपुर
48.	सरकारी महाविद्यालय बहुआ देहात	फ़तेहपुर
49.	मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय	फर्रुखाबाद
50.	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरसागंज	फिरोजाबाद
51.	महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिल्सी	बदायूँ
52.	राजकीय महाविद्यालय बिसौली	बदायूँ
53.	राजकीय महाविद्यालय नाधाभूड	बदायूँ
54.	राजकीय महाविद्यालय फरीदपुर	बरेली
55.	डॉ0 राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय आवंला	बरेली
56.	राजकीय महाविद्यालय पचपेड़वा	बलरामपुर
57.	शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला महाविद्यालय	बलिया
58.	राजकीय महिला महाविद्यालय हर्रैया	बस्ती
59.	राजकीय महाविद्यालय रुधौली	बस्ती
60.	राजकीय महाविद्यालय पचवस	बस्ती
61.	राजकीय महाविद्यालय कप्तानगंज	बस्ती
62.	राजकीय महाविद्यालय महाविद्यालय तिंगवारी	बांदा
63.	चौधरी चरण सिंह राजकीय महाविद्यालय छपरौली	बागपत
64.	संत कवि बाबा बैजनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरख	बाराबंकी
65.	राजकीय महाविद्यालय हंसौर	बाराबंकी
66.	महामाया राजकीय महाविद्यालय शेरकोट	बिजनौर
67.	राजकीय मॉडल महाविद्यालय अरनियां	बुलंदशहर
68.	राजकीय महाविद्यालय जहांगीराबाद	बुलंदशहर
69.	राजकीय महाविद्यालय बी0बी0 नगर	बुलन्दशहर
70.	एस0जी0एन0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुहम्मदाबाद	मऊ
71.	रामबचन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय बागली पिजरा	मऊ
72.	राजकीय महाविद्यालय मांट	मथुरा

73.	राजकीय महाविद्यालय पनवाड़ी	महोबा
74.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चरखारी	महोबा
75.	श्रीमती इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लालगंज	मिर्ज़ापुर
76.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मगरहा	मिर्ज़ापुर
77.	नरोत्तम सिंह पद्म सिंह राजकीय महाविद्यालय चुनार	मिर्ज़ापुर
78.	लालता सिंह राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय	मिर्ज़ापुर
79.	राजकीय महाविद्यालय भोजपुर	मुरादाबाद
80.	राजकीय महिला महाविद्यालय खरखौदा	मेरठ
81.	बी0आर0 अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय पड़रिया	मैनपुरी
82.	राजकीय महिला महाविद्यालय कुरावली	मैनपुरी
83.	राजकीय महाविद्यालय रजानगर स्वार	रामपुर
84.	राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर	रामपुर
85.	डॉ0 अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय	रायबरेली
86.	राजकीय महाविद्यालय हरिपुर	रायबरेली
87.	महामाया राजकीय महाविद्यालय महोना	लखनऊ
88.	राजकीय महाविद्यालय पलिया कलां	लखीमपुर खीरी
89.	पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय महरौनी	ललितपुर
90.	राजकीय महाविद्यालय फुलवाहा	ललितपुर
91.	राजकीय महाविद्यालय तालबेहट	ललितपुर
92.	पं0 दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय पलहीपट्टी	वाराणसी
93.	राजकीय महाविद्यालय जक्खिनी	वाराणसी
94.	विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कैराना	शामली
95.	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांधला	शामली
96.	प्रेम किशन खन्ना राजकीय महाविद्यालय जलालाबाद	शाहजहाँपुर
97.	पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय तिलहर	शाहजहाँपुर
98.	राजकीय महाविद्यालय कांट	शाहजहाँपुर
99.	केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई	संत रविदास नगर भदोही
100.	माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय महिला महाविद्यालय	संत कबीर नगर
101.	सरकारी महाविद्यालय बबराला	संभल
102.	राजकीय मॉडल महाविद्यालय कपूरी	सहारनपुर
103.	राजकीय महिला महाविद्यालय कोटा	सहारनपुर
104.	राजकीय महाविद्यालय पुंवारका	सहारनपुर
105.	राजकीय महाविद्यालय नानौता	सहारनपुर
106.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवबंद	सहारनपुर
107.	लाला किशन चंद राजकीय महाविद्यालय गंगोह	सहारनपुर
108.	राजकीय महिला महाविद्यालय बेहट	सहारनपुर
109.	राजकीय महाविद्यालय डुमरियागंज	सिद्धार्थनगर
110.	एफएए राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय	सीतापुर
111.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुसाफिरखाना	सुल्तानपुर
112.	भाऊ राव देवरस राजकीय महाविद्यालय दुद्धी	सोनभद्र
113.	राजकीय महिला महाविद्यालय राबर्ट्सगंज	सोनभद्र
114.	राजकीय महाविद्यालय पवनीकला	सोनभद्र
115.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा	सोनभद्र
116.	राजकीय महाविद्यालय सुमेरपुर	हमीरपुर
117.	राजकीय महाविद्यालय मौदहा	हमीरपुर
118.	राजकीय महाविद्यालय पिहानी	हरदोई
119.	महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिकंदराराऊ	हाथरस
120.	राजकीय महाविद्यालय कुरसंडा	हाथरस